नई दिल्ली। सड़क परिवहन एवं राज मार्ग मंत्री नितिन गडकरी को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. लक्ष्मी दीदी,लॉरेन्स रोड। साथ हैं ब्र.कु. शुभकरण।

पटना-बिहार। डेप्युटी चीफ मिनिस्टर सुशील मोदी को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. संगीता।

मथुरा-उ.प्र.। सांसद एवं प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय वरदान कार्ड देते हुए ब्र.कु. बहनें।

गोरखपुर-हनुमानपुर। डी.एम. राजीव रौतेला,आई.ए.एस. को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् चित्र में उनके साथ ब्र.कु. सुनीता, ब्र.कु. सुशीला तथा अन्य।

चाकसू-राज.। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के डेप्युटी मैनेजर को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. दुर्गेश बहन।

शाहजहाँपुर-उ.प्र.। क्षेमकरन कश्यप दिव्यांग (नेत्रहीन), (शिक्षक,राजकीय बालगृह एवं दृष्टिहीन विद्यालय) में दिव्यांगों को राखी बांधने के पश्चात् दृष्टि बाधित पाठ्यक्रम प्रदान करते हुए ब्र.कु.मंजू। साथ हैं ब्र.कु. रीता तथा अन्य।

पूर्व जन्म का संस्कार भी प्रभावी कर्म का उत्तरदायी

गतांक से आगे...

दूसरे प्रकार का संस्कार है - पूर्वजन्म का संस्कार। कोई आत्मा कहाँ से आई, कोई आत्मा कहाँ से आई तो उस जन्म के संस्कार को भी साथ ले आती है जो कई बार दिखाई भी देते हैं। कोई तीन साल का बच्चा है और कम्प्यूटर चलाने लग गया। पाँच साल का बच्चा है, शास्त्र का श्लोक बोलने लग गया तो कहते हैं कि उसके पूर्व जन्म के संस्कार उदय हो गये। अब क्या उसी में उदय हुए बाकी सब में नहीं हुए? उदय हरेक में होते हैं। लेकिन इंटेंसिटी में फर्क पड़ता है। किसी में बहुत तीव्र इंटेंसिटी से वो बाहर प्रगट हो जाते हैं, जिसका प्रभाव स्पष्ट रूप में दिखाई देता हैं। लेकिन किसी-किसी में स्लो इंटेंसिटी से बाहर प्रगट होते हैं। तब वो दिखाई नहीं पड़ते, लेकिन वो बीच-बीच में वर्तमान कर्म के साथ इंटरफियर अवश्य करता है। कभी-कभी इंसान खुद भी समझ नहीं पाता है कि मैं ऐसे क्यूँ कर रहा हूँ?

एक बार एक बहन अपने छोटे से बच्चे को पढ़ा रही थी। बच्चा वैसे कोई बहुत इंटेलीजेंट नहीं था। छोटा-सा ही तो बच्चा था। के.जी. में पढ़ता था। माता को उस बच्चे से इतनी अपेक्षायें थीं कि मेरा बच्चा हर बात में फर्स्ट आना चाहिए और इसलिए उसके प्रति विशेष ध्यान भी देती थी। लेकिन उस बच्चे के मन की एकाग्रता थोड़ी कम थी। इसलिए पढ़ाते समय स्पेलिंग उसको देती थी वन, टू, थ्री लिखने के लिए। वो बच्चा जब भी 40 लिखने जाता था तो गलती करता था। बाकी तो सारी स्पेलिंग ठीक लिख देता था। लेकिन फोरटी में उसकी गड़बड़ ज़रूर होती थी। अब माँ भी पीछे पड़ गयी कि 40 क्यों नहीं आता है। अरे भाई! एक स्पेलिंग नहीं आ रही है, क्यों पीछे लग रहे हैं? लेकिन उसको लगा कि इसकी एक भी स्पेलिंग गलती नहीं होनी चाहिए।

-ब्र.कु.ऊषा,वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

एक दिन माँ बाज़ार से सब्जी लेकर वापस आई, तो देखती है कि बच्चा बाहर खेल रहा है। तो उसको बहुत गुस्सा आया कि कल तेरा इम्तहान है, तेरे को फोरटी लिखना अभी तक आता नहीं है और तू बाहर खेल रहा है? तुरंत उसने बच्चे को बुलाया। स्वयं सब्जी काटने बैठी और बच्चे को सामने बिठाया कि चलो स्पेलिंग लिखो। बच्चे ने लिखना शुरु किया और लिखते-लिखते जब 40 पर आया तो फिर उससे गलती हो गयी। जैसे ही गलती हुई उस माँ को इतना गुस्सा आया कि जो हाथ में चाकू था वही उसको ठूँस दिया। अब बच्चा तो मर गया। बाद में इतना रोई, इतना पश्चाताप करे कि मैं तो उसको सिखाना चाहती थी। पता नहीं ये मेरे से कैसे हो गया? अब ये तो हरेक जानता है कि जहाँ माँ का बच्चे के साथ इतना लगाव है, तो वो जान-बूझकर तो ऐसा कार्य नहीं करेगी। लेकिन इसको क्या कहेंगे? यही कहा जाता है कि वैसे तो उसका रेशनल एक्सप्लेशन कोई नहीं है। लेकिन इतना ही कहा जाता है कि कोई जन्म का इन दोनों आत्माओं के बीच का कर्मों का हिसाब-किताब था। वो इस जन्म में माँ और बेटे के रूप में आकर चुक्तू हुआ।

अब वो पूर्व जन्मों का हिसाब-किताब इस जन्म में भी पच्चीस साल के बाद उभरता है और इतना तीव्र गति से वह पूर्व जन्म का संस्कार क्रियान्वित हो जाता है कि माँ की बुद्धि या विवेक कार्य नहीं कर पाया कि वो क्या कर रही है? ठीक इसी प्रकार काफी सालों तक वो सुषुप्त रह सकता है लेकिन जब उसका उदय होने का समय आता है तो कभी-कभी वो पूर्व जन्म का संस्कार इतना तीव्र वेग से चलता है कि समझदार से समझदार व्यक्ति भी समझ नहीं पाता कि उससे कैसे ये कार्य हो गया? अर्थात् उस वक्त पूर्व जन्म के संस्कार ने विवेक के ऊपर अपना कब्ज़ा जमा लिया कि वो किस प्रकार का कर्म करने जा रहा है, उसकी सुध-बुध भी उसको नहीं रही। इस तरह से पूर्वजन्म का संस्कार क्रियान्वित होता है और बीच-बीच में इस जन्म के कर्म के साथ वह इंटरफियर भी करता है। जब वो इंटरफियर करता है तब व्यक्ति की बुद्धि और विवेक काम करना बंद कर देता है और वो कर्म प्रत्यक्ष में हो जाता है और हमें पता भी नहीं चलता। - क्रमश:

आवश्यक सूचना

ग्लोबल अस्पताल मा. आबू तथा आबू रोड में रेज़िडेंट मेडिकल ऑफिसर(आर.एम.ओ.) के पद हेतु एम.बी.बी.एस. डॉक्टर्स की आवश्यकता है।
उचित वेतन सुविधा, संपर्क करें :-
सुबह 9.00-5.00 बजे तक।
मो.- 9414144062
ई.मेल - ghrchrd@ymail.com

ख्यालों के आईने में...

सब्र और सच्चाई एक ऐसी सवारी है जो अपने सवार को कभी गिरने नहीं देती, ना किसी के कदमों में, और ना किसी की नज़रों में।

सुबह की नींद इंसान के इरादों को कमज़ोर करती है, मंज़िलों को हासिल करने वाले कभी देर तक सोया नहीं करते।
वो आगे बढ़ते हैं जो सूरज को जगाते हैं, वो पीछे रह जाते हैं जिनको सूरज जगाता है।

देह मन की खुशी और सच्ची शांति के लिए देखें
आपका अपना 'पीस ऑफ माइंड चैनल'

TATA SKY 1065 | airtel digital TV 678 | FASTWAY | GTPL Digital Cable TV | Broadband | DEN
VIDEOCON d2h 497 | RELIANCE Digital TV 640 | hathway UCN | DigiCable | SITI

Free to Air
ABS Asia Broadcast Satellite
FREE DTH
KU Band with MPEG (DVB-S/S2) Receiver
LNB Freq. - 09750/10600
Tans Freq. - 12227
Polarization - Horizontal
Symbol - 44000
22k - On
Satellite - ABS-2; 75° E

Contact
Brahma Kumaris, 2nd Flr Anand Bhavan, Shantivan, Sirohi, Abu Rd, Raj-307510
+91 9414151111
+91 8104777111
info@pmtv.in
www.pmtv.in

सूचना : अगस्त 2017 से ओमशान्ति मीडिया पत्रिका की सदस्यता शुल्क में मामूली सी बढ़ोत्तरी की गई है जो कि वार्षिक शुल्क 200 और तीन वर्ष का 600 किया गया है।

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें...

कार्यालय- ओमशान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510. सदस्यता के लिए सम्पर्क - M - 9414006096, 9414182088,
Email- omshantimedia@bkivv.org,
mediabkm@gmail.com,
Website- www.omshantimedia.info
सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 200 रुपये, तीन वर्ष 600 रुपये, आजीवन 4500 रुपये ।
विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम से मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।